(a) (i) Extension of railway line from Mankhurd to Belapur (double line) on cost sharing basis between CIDCO and Railways in 67:33 ratio.

Length : 17.98 Km. (double line)

Cost : Rs. 440.86 crores

Expenditure incurred upto 31-3-95 : Rs. 322 crores

(ii) Belapur—Panvel Rait Projects (single line deposit work *of* CIDCO).

Length : 10,68 Km.

Cost Rs. 95.34 crores

Expenditure incurred upto 31-3-95 : Rs. 86.6 crores

(iii) kalwa—Turbhe single line goods deposit work of CIDCO.

Length : 13,10 Km.

Cost : Rs. 27.39 crore*

Expenditure incurred upto 31-3-95 : Rs. 23.45 crores

(b) (i) Vhane—Tiubhe—Nerul---Vashi Corridor No. 2 in New Bombay to be shared between CIDCO and Railways in ratio 67:33. The work has been included in Railways Works Programme 1995-96.

Length : 14.75 Km.

Cost : Rs. 135.30 crores

Expenditure incurred : Nil

(ii) Belaapur- Pamel- Commuter double line as a part of East -West Corridor on cost sharing basis between CIDCO and Railways in 67:33 ratio. Work included in Works Programme 1995-96.

Length : 10.68 Km.

Cost : Rs. 143.99 crores

Expenditure incurred .Nil

(c) Sufficient fund* and other assietance, as required for early completion of the protect* are being provided.

Non-Availability of return Journey Rail Tickets at computerised reservation centres

3718. SHBI O. P. KOHLI: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that return journey rail tickets are not being issued from all the computerised reservation centres in Delhi such as Parliament House Booking Office;

(b) if so, the reasons therefor;

(c) the steps taken to provide the facility from all the booking offices in Delhi and elsewhere in the country;

(d) if not, the reasons therefor; and

(e) the amount of inconvenience the same is causing to the Delhites?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI C. K. JAFFER SHARIEF): (a) Return journey rail reservation

tickets are issued from all the com-puterised reservation centres in Deilhi Area for the trains linked directly with the Passenger Reservation system ox Deilhi. However, for return journey reservation tickets for the trams connected to Bombay, Madras, Calcutta and Secunderabad PRS Centres, the facility is available only at IRCA Building New Delhi Delhi Main and Sarojini Nagar Centres at present.

(b) Non-availability of the requisite networking facility.

(c) to (e) A project has been undertaken for the networking of the live PRS systems. The software for this is under development. Some inconvenience is caused to the travelling public due to availability of limited facilities for return journey reservation for trains linked with the other PRS Systems.

बैटरी चालित रेल इंजन

3719. **श्री दिग्विजय सिंह जूदेव :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या रेल मंत्रालय द्वारा बैटरी चालित इंजनों की उपयोगिता की जांच की गयी है और उन्हें उपयुक्त पाया गया है ; यदि हां तो मंत्रालय द्वारा खरीद के लिये कितने बैटरी चालित रेल इंजनों को मंजूरी दी गई है और ऐसी मंजूरी की तारीख क्या है और उस कम्पनी का नाम क्या है जिससे ऐसी खरीद की जानी है ;

(ख) उक्त इंजनों के उपयोग के बाद उनकी उपयोगिता के निर्धारण के दौरान उनके कौन-कौन से गुणों और अवगुणों का पता लगा है ;

(ग) वर्तमान में प्रयोग में लाये जा रहे भारत हैवी इलैक्ट्रीकल्स लिमिटड द्वारा निर्मित इंजनों की संख्या क्या है और कम्पनी को वापस किये गये इंजनों की संख्या क्या है और उन्हें वापस किये जाने के क्या कारण हैं ; और

(घ) रेल मंत्रालय द्वारा पर्यावरण की सुरक्षा और किफायत के लिये बैटरी चालित इंजनों के उपयोग के संबंध में लिये गये अंतिम निणय का ब्यौरा क्या है ?

रेल मंत्री (श्री सी० के० जाफर शरीफ) : (क) मैसर्स भारत हैवी इलैक्ट्रिकल्स लि० को दिनांक 20-12-85 की संविदा सं०आर०एस०पी०/05/85/4414/10924 द्वारा तीन बैटरी चालित, रेल इंजनों का क्रय आदेश दिया गया था इंजनों पर परीक्षण किये गये किंतु ये रेल इंजन उपयोगी नहीं पाये गये, क्योंकि इनका निष्पादन विनिर्दिष्ट के अनुसार नहीं था।

(ख) इन रेल इंजनों पर मध्य रेल के ग्वालियर-भिण्ड खंड पर परीक्षण किये गय थ, जहां इनका विनिर्दिष्ट के अनुसार चालन अपेक्षित था। यह इंजन विनिर्दिष्ट के बावजूद 1 : 80 क ग्रेड पर 18" व्हील के साथ 110 टन का भार भी नहीं खींच पाया।

(ग) इस समय बैटरी से चलने वाली किसी भी इंजन को रैलों पर नहीं चलाया जा रहा है, मैसर्स भेल से प्राप्त हुए तीनों इंजनों को उन्हें वापस लौटा दिया गया था क्योंकि उनमें रेलवे को विनिर्दिष्ट के मुताबिक सुधार नहीं किया जा सका था।

(घ) यह विनिश्चय किया गया है कि फिलहाल बैटरी से चालित इंजन न मंगाये जायें, क्योंकि उपयुक्त प्रकार के इंजन उपलब्ध नहीं हैं।